GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2016

MANAGEMENT OF DISEASES THROUGH YOGA AND NATUROPATHY

Date :- 18-10-2016 Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Tuesday Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. निदान प्रक्रिया सोपानो का सविस्तर वर्णन करें । 10
Describe the steps of diagnosis in detail.

2. त्रिगुण परीक्षा और चिकित्सा में उसकी उपयोगिता समझाएँ । 10
Explain the Triguna Pariksha and its importance in therapy.

OR

योगिक चिकित्सा सिद्धान्तो का वर्णन कर उसमें परामर्श का महत्व समझाएँ ।
Explain the therapeutic principles of Yoga and importance of counselling in it.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. निसर्गोपचारीय अनुसंधान प्रणालि में डेटा प्रबन्धन प्रक्रिया ।
   Data handling process in research methodology of naturopathy.
   B. परितारिका निदान ।
   Iris diagnosis.
   C. नव्य निसर्गोपचार के चिकित्सा सिद्धान्त ।
   Therapeutic principles of neo naturopathy.
   D. परिच्युत नाभि को ठीक करने के उपाय ।
   Correction techniques of displaced Nabhi(umbilicus).
   E. मेरुदण्डीय विश्लेषण पद्धति ।
   Method of spinal analysis.

4. Answer any **Five** of the following : 10
   A. किसी भी एक व्याधि का उदाहरण देकर वर्ण निदान लिखें ।
   Write the chromo diagnosis with example of any one disease.
   B. प्राचीन एवं नव्य निसर्गोपचार के बीच दो भेद लिखें ।
   Write two differences between traditional and neo naturopathy.
   C. योग के चिकित्सा सिद्धान्तो का शास्त्रोक्त सन्दर्भ लिखें ।
   Write the classical reference of Yogic therapeutic principles.
   D. स्वर परीक्षा की उपयोगिता उदाहरण सहित लिखें ।
   Write the utility of breath diagnosis with example.
   E. मुखकृति निदान का उपयोग उदाहरण सहित लिखें ।
   Write the importance of facial diagnosis with example.
   F. आधि-व्याधि से संपूर्ण मुक्त होने के क्या उपाय है ?
   What are the means to be absolutely free from Adhi-Vyadhis ?

[P.T.O.]

SECTION-B

5. स्थौल्य का चिकित्सा सूत्र और योग एवं निसर्गोपचारीय संपूर्ण चिकित्सा लिखें । 10
Write the line of treatment and complete Yogic and Naturapathic management of Sthaulya.

6. कुष्ठ एवं कामला का चिकित्सा सूत्र एवं संपूर्ण योगिक चिकित्सा लिखें । 10
Write the line of treatment and complete Yogic management of Kushtha and Kamala.

OR

अर्श एवं अजीर्ण का आधुनिक रोग निदान-विकृति से संबंध और संपूर्ण निसर्गोपचारीय चिकित्सा लिखें ।
Write the modern pathological co-relation and complete naturopathic management of Arsha and Ajirna.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. अश्मरी की निसर्गोपचारीय चिकित्सा ।
   Naturopathic management of Ashmari.
   B. प्रमेह की योगिक की चिकित्सा ।
   Yogic management of Prameha.
   C. श्वास की योगिक की चिकित्सा ।
   Yogic management of Shwasa.
   D. अपस्मार सम्प्राप्ति एवं चिकित्सासूत्र ।
   Pathology and line of treatment of Apasmara.
   E. शोथ की निसर्गोपचारीय चिकित्सा ।
   Naturopathic management of Shotha.

8. Answer any **Five** of the following : 10
   A. हिक्का का चिकित्सा सूत्र लिखें ।
   Write the line of treatment of Hikka.
   B. विसूचिका में उपयुक्त कोई भी चार योगिक चिकित्सा लिखें ।
   Write any four Yoga therapies useful in Visuchika.
   C. दाह की संक्षिप्त निसर्गोपचारीय चिकित्सा लिखें ।
   Write the naturopathic treatment of Daha in brief.
   D. अनिद्रा में उपयुक्त निसर्गोपचारीय चिकित्सा सूचिबद्ध करें ।
   Enlist naturopathic therapies useful in Anidra.
   E. शीतपित्त का चिकित्सा सूत्र लिखें ।
   Write the line of treatment of Shitpitta.
   F. हृद्रोग में उपयुक्त किन्हीं चार योगिक चिकित्सा सूचिबद्ध करें ।
   Enlist any four Yogic therapies useful in Hridroga.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2016

NATURAL THERAPEUTICS

Date :- 17-10-2016
Monday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. निसर्गोपचारीय प्रक्रियाओं के प्रयोग के सामान्य विनियमों का वर्णन करें । 10
Describe the general regulations for application of Naturopathic procedures.

2. सर्वांग बाष्प स्नान एवं सर्वांग शुष्क लपेट के शारीर एवं मानस प्रभावों का वर्णन करें । 10
Describe the physiological and psychological effects of whole body steam bath and whole body dry sheet pack.

OR

कटि एवं मेरुदंड उष्ण जल स्नान के शारीर एवं मानस प्रभावों का वर्णन करें ।
Describe the physiological and psychological effects of hot water hip and spinal baths.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. बस्ति के योग्य एवं अयोग्य ।
   Indications and contra indications of enema.
   B. शीत जल पट्टीका के चिकित्सकीय प्रयोग एवं सावधानियाँ ।
   Therapeutic utility and precautions of cold water chest pack.
   C. सूर्यस्नान की चिकित्सकीय उपादेयता ।
   Therapeutic utility of sunbath.
   D. आयुर्वेदिक मसाज पद्धति ।
   Ayurvedic massage technique.
   E. उपवास चिकित्सा के आध्यात्मिक प्रभाव ।
   Spiritual effects of fasting therapy.

4. Answer any **Five** of the following : 10
   A. कृष्णवर्ण की मृत्तिका के चिकित्सोपयोग लिखें ।
   Write the therapeutic uses of black coloured mud.
   B. जलपान के नियम सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the laws for drinking water.
   C. कटि स्नान करते समय ध्यानमें रखने योग्य किन्हीं चार सावधानियों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist any four precautions to be taken during application of hip bath.
   D. पेट्रीसेज किसे कहते है ?
   What is meant by Petrissage ?
   E. ऑझोन चिकित्सा के योग्य सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the indications for ozone therapy.
   F. अल्पकालिन उपवास के कोई भी चार प्रभाव सूचिबद्ध करें ।
   Enlist any four effects of short term fasting.

[P.T.O.]

SECTION-B

5. नव्य निसर्गोपचारीय प्रक्रियाओं के प्रयोग के समय रखने योग्य आवश्यक सावधानियों का वर्णन करें । 10
Describe the precautions required to be taken during the application of Neo-Naturopathic procedures.

6. कायरो-प्रॅक्टिक चिकित्सा का वर्णन करें । 10
Describe chiropractic therapy.

OR

ऑस्टियोपथी का वर्णन करें ।
Describe osteopathy.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20

A. विद्युतीय चुम्बक ।
Electro magnets.

B. अधोरक्त किरण चिकित्सा ।
Infra-red rays therapy.

C. वाईब्रेटर चिकित्सा के शारीरक्रियात्मक एवं चिकित्सकीय प्रभाव ।
Physiological and therapeutic effects of Vibrator therapy.

D. पूर्व जीवन प्रतिगमन चिकित्सा ।
Past life regression therapy.

E. पक्षाघात रोगी के लिए आहार आयोजन ।
Dietary prescription for a paralytic patient.

8. Answer any **Five** of the following : 10

A. पार-बैंगनी किरणों के शारीरक्रियात्मक प्रभाव सूचिबद्ध करें ।
Enlist the physiological effects of ultra violet rays.

B. एक्युप्रेशर चिकित्सा का मुख्य सिद्धान्त क्या है ?
What is the main principle of acupressure therapy ?

C. संगीत चिकित्सा का मुख्य सिद्धान्त क्या है ?
What is the main principle of music therapy ?

D. शर्करा की अल्पता से होनेवाली व्याधिओं को सूचिबद्ध करें ।
Enlist the disorders generated due to the deficiency of carbohydrates.

E. जीवनीय-डी की अल्पता से होनेवाली व्याधिओं को सूचिबद्ध करें ।
Enlist the disorders generated due to the deficiency of vitamin-D.

F. अपक्व आहार के कोई भी चार फायदे सूचिबद्ध करें ।
Enlist any four advantages of uncooked food.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2016

NATUROPATHY : HISTORY, PHILOSOPHY & PRINCIPLES

Date :- 15-10-2016 Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Saturday Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. निसर्गोपचार की व्याख्या देते हुए उसके ध्येय एवं उद्देश्यों को समझाएँ । 10
Defining Nisargopachara, explain its aims and objectives.

2. भारतीय निसर्गोपचार के अद्योपरांत विकास का वर्णन करें । 10
Describe the development of Indian Nisargopachara till today.

OR

शरीर धर्म का प्राकृतिक नियम समझाएँ ।
Explain the Nature's Law of Sharira Dharmas.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. योग अनुसार व्याधि की अवधारणा ।
   Concept of disease according to Yoga.
   B. प्रकृति के स्वास्थ्य के विघटनात्मक सिद्धान्त ।
   Nature's destructive principles of health.
   C. पाश्चात्य निसर्गोपचार में एडॉल्फ जस्ट का प्रदान ।
   Contribution of Adolf Just to Western Naturopathy.
   D. भारतीय निसर्गोपचार में श्री बालकोबा भावे का प्रदान ।
   Contribution of Shri Balakoba Bhave to Indian Nisargopachara.
   E. भारतीय निसर्गोपचार में श्री वेंकटैय्या राजू का प्रदान ।
   Contribution of Shri Venkatayya Raju to Indian Nisargopachara.

4. Answer any **Five** of the following : 10
   A. सही मनोवृत्ति किसे कहते है ?
   What is meant by right mental attitude ?
   B. दातून चयन करने में ऋतुज्ञान की क्या उपादेयता है ?
   What is the utility of the knowledge of seasons in selection of a twig ?
   C. शयनविधि में समाविष्ट मुद्दों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the points included in Shayana Vidhi.
   D. मूत्र वेग के धारण करने से कौन सी व्याधियाँ होतीं हैं ?
   Which disorders occur due to suppression of the urge of urination ?
   E. डॉ. आर्नोल्ड रिक्लि द्वारा प्रणित निसर्गोपचार की अवधारणाओं को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the concepts of Naturopathy forwarded by Dr. Arnold Rickle.
   F. श्री मोरारजी देसाई का निसर्गोपचार में क्या प्रदान है ?
   What is the contribution of Shri Morarji Desai to Nisargopachara ?

[P.T.O.]

SECTION-B

5. निसर्गोपचार एवं ग्रामीण स्वास्थ्य के विषय में महात्मा गांधीजी के विचारों को समझाएँ । 10
Explain the thoughts of Mahatma Gandhiji on Nisargopachara and rural health.

6. सर हेन्रि लिण्डल्हार के मतानुसार 'व्याधि व्यक्तता' की अवधारणा समझाएँ । 10
Explain the concept of 'manifestation of disease' as per Sir Henry Lindlhar.

OR

डॉ. जे.एच. टिल्डन के मतानुसार 'दौर्बल्य' की अवधारणा समझाएँ ।
Explain the concept of 'enervation' as per Dr. J. H. Tilden.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. मुखाकृति सिद्धान्त ।
   Theory of facial expression.
   B. जैविक शक्ति संरक्षण सिद्धान्त ।
   Theory of vital economy.
   C. व्याधिज संकट व्यवस्थापन ।
   Management of disease crisis.
   D. आरोग्य रक्षक पंचतंत्र का व्याधि प्रतिरोधक महत्व ।
   Importance of Arogya Rakshaka Panchatantra in disease prevention.
   E. पुरुषों के लिए प्राकृतिक गर्भनिरोधक पद्धतियाँ ।
   Natural contraceptive methods for males.

8. Answer any **Five** of the following : 10
   A. भार का सिद्धान्त किसे कहते है ?
   What is the theory of encumbrance ?
   B. निसर्गोपचार मतानुसार शोथ की अवस्थाओं को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the stages of inflammation according to Nisargopachara.
   C. औषध प्रतिक्रिया के आभ्यंतर कारणों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the intrinsic causes of drug reaction.
   D. टीकाकरण के किन्हीं चार दुष्प्रभावों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist any four hazards of vaccination.
   E. प्रार्थना की व्याख्या करें ।
   Define prayer.
   F. महिलाओं के लिए प्राकृतिक गर्भनिरोधक पद्धतियाँ सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the natural contraceptive methods for females.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2016

YOGA : HISTORY & PHILOSOPHY

Date :- 13-10-2016 Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Thursday Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. योग की विभिन्न कितनी शाखाएँ हैं ? उनके नाम लिखें और हठयोग के विषय में संक्षिप्त विवरण लिखें। 10
Enlist various streams of Yoga and give brief description of Hatha Yoga.

2. 'योग का इतिहास' विषय पर निबंध लिखें। 10
Write an essay on history of Yoga.

OR

2. नादयोग और लययोग के विषय में संक्षिप्त विवरण लिखें।
write in short about Nada Yoga and Laya Yoga.

3. Write short notes any **four** of the following. 20
   (i) राजयोग। Raja Yoga.
   (ii) ज्ञानयोग। Jnana Yoga.
   (iii) मंत्रयोग। Mantra Yoga.
   (iv) वेदांत में योगदर्शन। Yoga phylosophy in vedanta.
   (v) प्राचिन काल में योग के उद्देश्य क्या थे ? What are the pourpose of Yoga in ancient time.

4. Answer any **Five** of the following. 10
   (i) योगसूत्र के पाद लिखें।
   Enlist Pada of Yoga Sutra.
   (ii) गुणातीत का अर्थ क्या है ?
   What is the meaning of Gunatit?
   (iii) हठयोग में 'हठ' शब्द का अर्थ क्या है ?
   What is the meaning of "Hatha" in Hatha yoga.
   (iv) समाधि का अर्थ क्या है ?
   What is the meaning of Samadhi?
   (v) श्रद्धात्रय विभाग योग क्या हैं ?
   What is Shraddhatraya Vibhag Yoga?
   (vi) योग शब्द की व्याख्या लिखें।
   Define Yoga.

P.T.O.

SECTION - B

5. योगाभ्यास में बाधाकर और हितकर कारकों का विवरण करें। 10
Describe various factors for sucess and obstuctions in yoga prctice.

6. गौरक्ष संहिता में लिखे शरीर के विशेष स्थान के विषय में विवरण करें। 10
Describe special sites of the body according to Goraksha Samhita.

OR

6. क्या यौगिक क्रियाओं में शरीर शुद्धि आवश्यक है ? क्यों ?
Is body cleansing important in Yogic Practice? Why?

7. Write short notes any **four** of the following. 20

(i) हठप्रदिपिका के अनुसार वायु का विवरण लिखें।
Describe the concept of Vayu according to Hatha Pradipika.

(ii) शिवसंहिता के विषय में प्रास्ताविक लिखें।
Write introductory remarks on Shiv Samhita.

(iii) षट्कर्मों का सक्षिप्त विवरण लिखें।
Describe Shatkarma in brief.

(iv) प्राणविद्या क्या है ? समझाइये।
What is Pranvidya? Explain.

(v) 'शिक्षण में योग से लाभ' विषय में लिखें।
Benefits of Yoga in education.

8. Answer any **Five** of the following. 10

(i) व्याख्या करें - वायु।
Difine Vayu.

(ii) कुण्डलीनी क्या है ?
What is Kundalini?

(iii) नादानुसंधान क्या है ?
What is Nadanusandhan?

(iv) उपप्राण के नाम लिखें।
Enlist Uppran?

(v) गोरक्ष संहिता के अनुसार नाडियों के नाम लिखें।
Enlist Nadi according to Goraksha Samhita.

(vi) धौतिक्रिया क्या है ?
What is Dhauti Kriya?

◆◆◆◆◆

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION OCTOBER-2016

YOGA : PRACTICE & THERAPY

Date :- 14-10-2016
Friday

Time :-10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.

२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।

The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. स्थूल व्यायाम को व्याख्यायित करते हुए शरीरक्रियात्मक प्रभाव एवं चिकित्साकीय उपयोग दर्शायें। 10
Define Sthulavyayam with Physiological effects and therapeutic utility.

2. योगाभ्यास के हेतु, उद्देश्य एवं महत्व दर्शायें। 10
Describe aims, objectives and importance of Yoga practices.

OR

2. धनुरासन एवं पश्चिमोत्तासन की विधि तथा चिकित्साकीय प्रभाव समझाएँ।
Explain the technique and therapeutic effect of Dhanurasan and Paschimottasan.

3. Write short notes any **four** of the following. 20

(i) बस्तिक्रिया का शरीरक्रियात्मक प्रभाव। Physiological effect of Basti Kriya.

(ii) कटिशक्ति विकासक क्रिया। Kati Shakti Vikasak Kriya.

(iii) नौलिक्रिया का चिकित्सकीय प्रभाव एवं निषेध। Therapeutic importance and C.I. of Nauli Kriya.

(iv) मत्स्यासन की व्याख्या विधि एवं प्रभाव। Defination, technique and effect of Matsyasana.

(v) सूर्यनमस्कार के निषेध। C.I. of Suryanamaskar.

4. Answer any **Five** of the following. 10

(i) सूत्रनेतिक उपर्युक्तता एवं निषेध लिखें।
Write indication and C.I. of Sutraneti.

(ii) आसन और व्यायाम के बीच के किन्हीं चार अंतर लिखें।
Write any four difference between Asana and other excercise.

(iii) वस्त्रधोति के चिकित्सकीय उपयोग प्राचीन ग्रन्थों के आधार पर सूचिबद्ध करें।
Enlist therapeutic uses of Vastra dhauti as per classics.

(iv) स्वाधिष्ठान चक्र शुद्धिक्रिया की विधि लिखें।
Write the technique of Swadhisthan Chakra Shuddhi Kriya.

(v) टखने से पैर के अंगूठे तक के सूक्ष्मव्यायाम सूचिबद्ध करें।
Enlist the Sukshmavyayam from ankle to toe.

(vi) शंखप्रक्षालन को व्याख्यायित करें।
Define Shankhaprakshalan.

P.T.O.

SECTION - B

5. 'उर्ध्व नाभि अधस्तालु उर्ध्वभानु अध ..... शशि .....' समझाएँ। 10
Explain - 'उर्ध्व नाभि अधस्तालु उर्ध्वभानु अध ..... शशि .....'

6. 'अनुलोम-विलोम' जीवन के संतुलन के परीप्रेक्ष्य में समझाएँ। 10
Explain Anuloma-Viloma as balancing of life.

OR

6. व्यसनमुक्ति में योगनिंद्रा पद्धति वर्णित करें।
Describe 'Yoga Nidra' for deadiction therapy.

7. Write short notes any **four** of the following. 20
   (i) सूर्यस्वर का शरीरक्रियात्मक प्रभाव एवं निषेध।
   Physiological effect and C.I. of Suryasvara.
   (ii) जालंधरबंध का चिकित्सकीय महत्व।
   Therapeutic importance of Jalandhar Bandh.
   (iii) प्राणायाम और श्वसन व्यायाम के बीच का अन्तर।
   Difference between Pranayam and other breathing excercises.
   (iv) कुण्डलीनी ध्यान।
   Kundalini Meditation.
   (v) प्रत्याहार का वैज्ञानिक दृष्टिकोण।
   Scientific apprasial of Pratyahar.

8. Answer any **Five** of the following. 10
   (i) रुपातीत ध्यान को व्याख्यायित करें।
   Define Rupatitadhyan.
   (ii) ट्रान्सेन्डेन्टल मेडिटेशन की पद्धति एवं शोधक का नाम लिखें।
   Write the technique and founder of Transcendental Meditation.
   (iii) चंद्रभेदन प्राणायाम की विधि लिखें।
   Write the technique of Chandrabhedan Pranayam.
   (iv) अश्वीनी मुद्रा की विधि एवं चिकित्सकीय उपयोग लिखें।
   Enlist the therapeutic uses of Ashvini mudra with technique.
   (v) महामुद्रा के परीपेक्ष्य में संहिता में वर्णित रोगों को सूचिबद्ध करें।
   Enlist the diseases as mentioned in referance of Mahamudra classicaly.
   (vi) वाईब्रेशनल ब्रेथ की विधि लिखें।
   Write the technique of Vibratioral breath.

◆◆◆◆◆